भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

21 जनवरी, 2022 - नई दिल्ली

प्रेस वक्तव्य

21 जनवरी, नई-दिल्ली: भा.खे.प्रा. राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र , बेंगलुरु में कुल 128 परीक्षण परिणामों में से 33 पॉज़िटिव कोविड-19 मामले पाये गए।

दक्षिण अफ्रीका में आगामी एफआईएच प्रो लीग से पहले प्रशिक्षण ले रहे सीनियर पुरुष हॉकी टीम से 16 एथलीट और एक प्रशिक्षक टेस्ट में पॉज़िटिव हैं, लेकिन उन सभी में लक्षण नहीं हैं।

अप्रैल में जूनियर महिला विश्व कप के लिए जूनियर महिला हॉकी बालिका प्रशिक्षण में,15 बालिकाएं परीक्षण में पॉज़िटिव हैं । जबकि इनमें से 3 में रोग के लक्षण नहीं हैं ,12 में रोग के लक्षण हैं।

सीनियर महिला हॉकी टीम खिलाड़ी का गठन करने वाले दो अन्य सदस्य पॉज़िटिव हैं, जिनमें रोग के लक्षण हैं और एथलेटिक्स टीम से मसाजची हैं ।

भाखेप्रा एकांत (आइसोलेशन) में रहने वाले खिलाड़ियों के उपचार के लिए और उनके तेजी से स्वास्थ्य लाभ के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है ।

ईओएम

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

10 जनवरी, 2022 - नई दिल्ली

10 जनवरी, 2022 : नई दिल्ली

प्रेस वक्तव्य

कोविड 19 के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए, भारतीय खेल प्राधिकरण ने देशभर में 67 भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्रों को बंद करने का निर्णय लिया है। विभिन्न राज्यों द्वारा जारी निर्देशों के मद्देनजर भी यह निर्णय लिया गया कि एथलीटों की सुरक्षा के लिए खेल-क्रियाकलापों को स्थगित रखा जाए। निश्चित अवधि में स्थिति की समीक्षा करने के बाद खेल प्रशिक्षण केन्द्रों को फिर से खोल दिया जाएगा ।

ईओएम

प्रेस विज्ञप्ति

12 जनवरी, 2022 - नई दिल्ली

दीक्षा डागर,यश घंगेस लक्ष्य ओलिंपिक्स पोडियम योजना में शामिल

12 जनवरी: हरियाणा की गोल्फर दीक्षा डागर और जूडोका यश घंगेस को क्रमश:कोर और विकास समूह में लक्ष्य ओलिंपिक्स पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल किया गया है।

21 वर्षीय बाएँ हाथ की खिलाड़ी दीक्षा डागर हरियाणा के झज्जर की रहने वाली हैं और वह 2017 ग्रीष्मकालीन डीफ्लिंपिक्स में रजत पदक विजेता हैं तथा पिछले वर्ष ओलिंपिक्स खेलों में 50 वें स्थान पर रहीं। इसी बीच, हरियाणा के पानीपत से यश रोज़ ने मैट पर स्वंय को अभिव्यक्त किया।

केंद्रीय खेल मंत्रालय मुख्य रूप से प्रत्येक राष्ट्रीय खेल महासंघ के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के वार्षिक कलेंडर (एसीटीसी) के अंतर्गत उत्कृष्ट एथलीटों को सहायता प्रदान करता है। टॉप्स एसीटीसी के अंतर्गत नही आने वाले क्षेत्रों में एथलीटों को अनुकूलित सहायता उपलब्ध कराता है और एथलीटों की अप्रत्याशित आवश्यकताओं को पूरा करता है ताकि वे ओलिंपिक और पैरालिंपिक्स खेलों के लिए उत्कृष्ट तैयारी कर सकें।

बजरंग और सुनील के लिए वित्तीय सहायता

खेल मंत्रालय के मिशन ओलिम्पिक सेल (एमओसी) ने विदेशी प्रदर्शन प्रशिक्षण के लिए पहलवान बजरंग पुनिया और सुनील कुमार के लिए वित्तीय सहायता को अनुमोदित कर दिया है।

टोक्यो ओलिंपिक्स के कांस्य पदक विजेता बजरंग के लिए व्यस्त सत्र से पहले मास्को में 26-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए 7.53 लाख रुपये की राशि पहले ही अनुमोदित कर दी गई थी। अब 27 दिसम्बर को शुरू हुए प्रशिक्षण शिविर के लिए उन्हें 1.76 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता दी गई है। यह 26 दिवसीय शिविर जनवरी 2021 में समाप्त होगा ।

जितेंदर और आनंद कुमार बजरंग के साथ क्रमशः अपने साथी और फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में गए हैं। बजरंग यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग प्रतिस्पर्धाओं, बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ हांग्जो, चीन में एशियाई खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं । बजरंग पुनिया ने कहा है कि "मुझे इस फरवरी में इटली और तुर्की में आयोजित रैंकिंग सीरीज़ और उसके बाद अप्रैल में मंगोलिया में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में भाग लेना है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने जा रहा हूं चूंकि मेरा लक्ष्य पेरिस 2024 में अपने पदक का रंग बदलना है।"

इसी बीच ग्रीको-रोमन पहलवान सुनील कुमार को रोमानिया और हंगरी में अपने साथी और प्रशिक्षक के साथ एक विशेष प्रशिक्षण शिविर में जाने के लिए 10.85 लाख रुपये की राशि की स्वीकृत दी गई। टॉप्स विकास समूह का हिस्सा बने सुनील आगामी यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग इवेंट्स की तैयारी के लिए विदेशों में प्रदर्शन यात्रा हेतु इस राशि का उपयोग करेंगे।

सुनील ने सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 2019 और 2020, एशियन चैंपियनशिप 2020 और 2021 में सीनियर नेशनल में स्वर्ण पदक जीते थे।

ईओएम

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति
10 जनवरी 2022 - नई दिल्ली

10 और एथलीटों में अदिति अशोक सहित पांच गोल्फ खिलाड़ी टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली, 10 जनवरी: ऐस राइडर फौआद मिर्जा, गोल्फर अनिर्बान लहिरी, अदिति अशोक और दीक्षा डागर और अल्पाइन स्कीयर मोहम्मद आरिफ खान उन 10 एथलीटों में शामिल हैं जिन्हें युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ (एमओसी) में शामिल किया गया है ताकि सूचिबद्ध एथलीटों को टारगेट ओलम्पिक योजना के तहत् सहायता प्रदान की जा सके।

जबकि इन पांच एथलीटों को कोर ग्रुप में शामिल किया गया है, वहीं गोल्फर शुभंकर शर्मा और तवेसा मलिक और जुडोकास यश घंगास, उन्नति शर्मा और लिंथोई चनंबम को विकास समूह में शामिल किया गया है। टॉप्स के तहत् इन सम्मिलित एथलीटों की संख्या को 301 तक पहुंच गई है, जिसमें कोर ग्रुप के 107 एथलीट भी शामिल हैं।

मंत्रालय प्राथमिक रूप से प्रत्येक राष्ट्रीय महासंघ के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के तहत विशिष्ट एथलीटों को सहायता प्रदान करता है। टॉप्स एसीटीसी के तहत् शामिल नहीं किए गए क्षेत्रों में एथलीटों को अनुकूलित सहायता प्रदान करता है और एथलीटों की अप्रत्याशित जरूरतों को पूरा करता है चूंकि वे ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तैयारी करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में रहने वाले मोहम्मद आरिफ खान हाल ही में अगले महीने बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेल 2022 के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय अल्पाइन स्कीयर बने हैं। एमओसी ने उनके लिए यूरोप में पांच सप्ताह के प्रशिक्षण की लागत और उपस्कर की खरीद के लिए 17.46 लाख रूपये अनुमोदित किए हैं।

राइडिंग सिग्नूर मेडिकॉट, फौआद मिर्जा ने जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेलों की व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीता और पिछले साल टोक्यो में आयोजित ओलंपिक खेलों में 23 वें स्थान पर रहे। जर्मनी के आधार पर, वह वर्तमान में विश्व में 87 वें स्थान पर हैं। 29 वर्षीय एस्ट्राइड मोकाटू ने सितंबर में सोपोट में और नवंबर में प्रटोनी डेल विवारो में दो शीर्ष -10 में प्रवेश किया।

बेंगलुरु की रहने वाली 23 वर्षीय अदिति अशोक ने पूरी प्रतियोगिता में पदक गणना में रहने के बाद टोक्यो 2020 में देश का ध्यान अपने ओर आकर्षित किया। 21 वर्षीय बायें हाथ की दीक्षा डागर, जो हरियाणा के झज्जर की रहने वाली हैं और 2017 ग्रीष्मकालीन डिफ्लिम्पिक्स में रजत पदक विजेता हैं, पिछले साल ओलंपिक खेलों में 50वें स्थान पर रहीं।

किशोर जुडोकास यश घंगास (+100 किग्रा वर्ग), लिंथोई चनंबम (57 किग्रा) और उन्नति शर्मा (63 किग्रा) ने पिछले महीने लेबनान, बेरूत में एशिया-ओशिनिया जूनियर चैंपियनशिप में एक-एक रजत पदक जीता था। हरियाणा के पानीपत से यश घंगास रोज़ ने स्वयं को मैट पर अभिव्यक्त किया, जबकि लिंथो चनंबम मणिपुर से हैं और उन्नति उत्तराखंड से हैं।

ईओएम

प्रेस विज्ञप्ति

21 जनवरी 2022 - नई दिल्ली

एथलीट-केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत का भारोत्तोलन एचपीडी अविनाश पांडू

21 जनवरी नई दिल्ली: भारोत्तोलन के लिए भारत के पहले उच्च-प्रदर्शन निदेशक (एचपीडी), अवीनाश पांडू ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय भारोत्तोलन के लिए उनका दृष्टिकोण एथलीट-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना है, जहां भारत उनके विकास और प्रशिक्षक शिक्षा पर अच्छी तरह् से ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) द्वारा आयोजित एक मीडिया बातचीत के दौरान, श्री पांडू ने कहा कि वह पर्यावरण को थोड़ा और जानने के लिए भाखेप्रा और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के साथ काम करेंगे, उन्होंने कहा कि, "मैं देखूंगा कि हमारे पास पहले से क्या है और इसके रोडमैप और रणनीति को भी देखना है। मैं हमारी प्रतिभा पहचान और विकास कार्यक्रम को भी देखना चाहता हूँ।

उन्होंने कहा कि "हमें यह देखना है कि प्रतिभा कहाँ से आ रही है और यह केवल इसी क्षेत्र से ही क्यों आ रही है, उसके बाद देखना है कि जो पहले से मौजूद है उसे हम कैसे बेहतर कर सकते हैं अथवा कैसे बदल सकते हैं। "हम अपनी प्रतिभा के विकास को भी देखेंगे और जाहिर है कि केन्द्र में एथलीटों के साथ प्रशिक्षण नेतृत्व भी होगा।

श्री पांडू ने कहा उनका ध्यान अंतरराष्ट्रीय चैंपियन बनाने में भारत को मदद करने की क्षमता के साथ एक मजबूत प्रशिक्षण संरचना बनाने पर होगा। उन्होंने कहा "हम उपलब्ध संसाधनों और प्रशिक्षक शिक्षण को भी देखेंगे, और यह भी देखेंगे कि इसमें क्या कमी है, मैं "प्रत्येक वर्ष 100 प्रशिक्षकों और 60 रेफरी के लिए विकासशील कार्यक्रम के लिए बोल रहा हूँ।

उन्हें पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों तक भारोत्तोलन के लिए भारत के एचपीडी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिसमें जूनियर प्रतिभा के विकास और 2028 एलए ओलंपिक पर भी नजर रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। उन्हें दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया में दो दशकों से भी अधिक का प्रशिक्षण अनुभव प्राप्त है।

उच्च प्रदर्शन निदेशक के रूप में अपनी भूमिका में, अवीनांश पांडू ने रियो डी जनेरियो में 2016 के ओलंपिक खेलों में दो इंडोनेशियाई भारोत्तोलकों की मदद करते हुए पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

ईओएम

खे०इ०यू०गे० हरियाणा 2021 स्थगित

11 दिसंबर, नई दिल्ली: इस वर्ष 5 से 14 फरवरी के बीच आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स हरियाणा 2021 स्थगित कर दिए गए। यह निर्णय वर्तमान कोविड -19 महामारी की स्थिति को देखते हुए लिया गया है।

युवा खेलों की नई तारीख की घोषणा कोविड स्थिति की समीक्षा के बाद की जाएगी। इसे हितधारकों के परामर्श से अंतिम रूप दिया जाएगा।

ईओएम

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

14 जनवरी 2022, नई दिल्ली

मंत्रालय द्वारा भारोत्तोलन के लिए पहले एचपीडी के रूप में पांडू की नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, 14 जनवरी: युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने पैरिस में 2024 ओलंपिक खेलों तक के लिए भारोत्तोलन हेतु पहले उच्च प्रदर्शन निदेशक के रूप में श्री अविनाश पांडु की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति की सिफारिश भारतीय खेल प्राधिकरण की विदेशी प्रशिक्षक चयन समिति ने भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अधिकारियों के साथ मिलकर की । उनका वार्षिक वेतन 54,000 डॉलर (करीब 40.50 लाख रुपये) होगा।

2028 पर ध्यान रखने के साथ जूनियर प्रतिभा के विकास पर विशेष ध्यान देने और भारत को अंतरराष्ट्रीय चैंपियन बनाने में मदद करने की क्षमता के साथ सुदृढ़ प्रशिक्षण अधिसंरचना सृजित करने के लिए उन्हें एचपीडी नियुक्त किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले मॉरीशस के 46 वर्षीय अविनाश पांडू दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया में दो दशकों से अधिक के प्रशिक्षण अनुभव के साथ भारत आएंगे। उच्च-प्रदर्शन निदेशक के रूप में अपनी भूमिका में, अविनाश पांडू ने दो इंडोनेशियाई भारोत्तोलकों को रियो डी जनेरियो में 2016 ओलंपिक खेलों में पदक दिलाने में मदद करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष, श्री सहदेव यादव ने कहा कि इनकी नियुक्ति से खेल को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि "समृद्ध अनुभव के साथ आने वाले श्री पांडू देश भर में भाखेप्रा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई) में व्यवस्थित प्रशिक्षण और निगरानी तंत्र के साथ जूनियर विकास कार्यक्रम को वास्तविक रूप से एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में अपने बेस से, श्री पांडू ने कहा कि वह भारोत्तोलन के लिए भारत के पहले एचपीडी के रूप में कार्यभार संभालने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि "मुझे विश्वास है कि मैं एक उत्कृष्ट प्रदर्शन दूंगा जिसमें कोई कमी नहीं होगी। मैं सर्वश्रेष्ठ पहचान और विकास प्रदर्शन में सहायता के लिए युवा और जूनियर क्षेत्रों से अपना सर्वश्रेष्ठ अनुभव लाऊंगा।

विकास और शिक्षा समिति (2013-17) पर अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन संघ के साथ कार्य करने का श्री पांडू का अनुभव भी भारत में प्रशिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देगा चूंकि उनसे रा०खे०सं० पटियाला के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के संशोधन में सहायता की उम्मीद है।

भाखेप्रा और आईडब्ल्यूएलएफ ने उच्च-प्रदर्शन निदेशक के लिए विशिष्ट प्रमुख परिणाम क्षेत्रों को निर्धारित किया है, जिसमें रा०उ०के० एथलीटों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना और वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली की शुरुआत, दीर्घकालिक एथलीट विकास पथ और अंतराल विश्लेषण डिजाइन करना, रा०उ०के० एथलीटों के लिए एक प्रतियोगिता संरचना विकसित करना, भारत की बेंच स्ट्रेंथ में सुधार के लिए पारदर्शी रैंकिंग प्रणाली के साथ-साथ एक मजबूत प्रतिभा पहचान प्रणाली की शुरुआत करना शामिल है।

इसके अलावा, उच्च-प्रदर्शन निदेशक से प्रत्येक वर्ष 100 प्रशिक्षकों के लिए कोच विकास कार्यक्रमों और 60 रेफरियों के लिए रेफरी विकास कार्यक्रमों में सहायता करने की उम्मीद है।

ईओएम

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

15 फरवरी 2022 - नई दिल्ली

खेलो इंडिया की ई-खेल पाठशाला जमीनी स्तर की खेल शिक्षा को मजबूत कर रही है: खेल सचिव

15 फरवरी - नई दिल्ली: भारत भर में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और सामुदायिक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक विकास को मजबूत करने के प्रयास के साथ, खेलो इंडिया ई-खेल पाठशाला के शारीरिक शिक्षा और सामुदायिक प्रशिक्षकों के लिए फाउंडेशन पाठ्यक्रम का एक और बैच शुरू किया गया है।

यह एक अनूठा पाठ्यक्रम है जो ऑनलाइन मंच पर एक समान संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसके माध्यम से जमीनी स्तर के शारीरिक शिक्षक और सामुदायिक प्रशिक्षक अपने कौशल में सुधार कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में मंगलवार को श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, युवा कार्यक्रम और खेल सचिव ने भाग लिया, उन्होंने पूरे भारत के शिक्षा मंत्रालय के तहत 5000 से अधिक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को संबोधित किया और उन्हें एक ऐसे पाठ्यक्रम में शामिल होने पर बधाई दी, जिसने पिछले कुछ वर्षों में खेल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई। ई-खेल पाठशाला पाठ्यक्रम का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षा महाविद्यालय (भाखेप्रा – ल०रा०शा०शि०महा) द्वारा किया जा रहा है और अब यह अपने 7वें बैच में है।

कार्यक्रम में बोलते हुए श्रीमती. चतुर्वेदी ने कहा, "हमारे माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार खेलों पर बहुत ध्यान दे रही है और हाल ही में ओलंपिक और पैरालिंपिक में मिली सफलता उस बदलाव की गवाह है। अब हम खेलों में एक महाशक्ति बनना चाहते हैं और इसे हासिल करने के लिए हमें जमीनी स्तर से लेकर उत्कृष्ट वर्ग तक खेल इको सिस्टम के प्रत्येक पहलू को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य के साथ, ई-खेल पाठशाला की शुरूआत की गई है ताकि जमीनी स्तर से ही हम खेल शिक्षकों को शिक्षित कर सकें और ज्ञान और कौशल के सही समूह के साथ उन्हें सुसज्जित कर सकें ताकि वे लाखों युवा छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा कक्षाएं आयोजित कर सकें, जिसमें बहुत से संभावित एथलीट भी हो सकते हैं, " उन्होंने बताया, "इस पूल से हमारे पास अगले ओलंपिक पदक विजेता होंगे और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।"

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए शारीरिक फिटनेस के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना है। 6-सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों के पास 40 ऑनलाइन कक्षाएं लेने वाले कुल 36 विशिष्ट वक्ता होंगे, जहां वे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और सामुदायिक प्रशिक्षकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, स्कूलों में वर्तमान गतिविधियों में फिटनेस का एकीकरण और फिटनेस अवधारणा, स्वास्थ्य, शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान, अन्य अवधारणाओं जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे।

पाठ्यक्रम के पूरा होने पर, प्रतिभागी उन सत्रों की परीक्षा देंगे जिनमें उन्होंने फाउंडेशन पाठ्यक्रम के प्रमाणन के लिए 6 सप्ताह की अवधि में भाग लिया है।

ईओएम